ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

आनलाईन कक्षा में सबको स्वागत

कक्षा -६

हिन्दी

पाठ -2

पंच परमेश्वर

PPT-2

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

2 पंच परमेश्वर

चिंतन-मनन

पंचायत के सामने मित्रता-शत्रुता का कोई भेदभाव नहीं होता। पंचायत हमेशा सच का साथ देती है। सच कभी छिपा नहीं रहता। सच की हमेशा जीत होती है, इसलिए कहते हैं– 'सत्यमेव जयते'।

अलगू चौधरी और जुम्मन शेख दोनों दोस्त थे। उन दोनों में गाढ़ी मित्रता थी। वे दोनों किसान थे। उनकी मित्रता के दूर-दूर तक चर्चे थे। जुम्मन शेख की एक बूढ़ी विधवा मौसी थी। उनके तीन-चार खेत थे। वे बूढ़ी हो गई थीं, खेतों की देखभाल नहीं कर सकती थीं। इसलिए मौसी ने खेत जुम्मन के नाम लिख दिए। इसके बदले जुम्मन ने उन्हें जीवनभर भोजन-वस्त्र देते रहने का वादा किया।

कुछ दिन तक सब कुछ ठीक चलता रहा लेकिन कुछ समय बीत जाने के बाद जुम्मन और उसकी पत्नी के व्यवहार में मौसी के प्रति कड़वाहट आने लगी थी। बात-बात पर उनका अपमान होने लगा। जब उनसे अपमान न सहा गया, तब उन्होंने जुम्मन से कहा, "अब तुम्हारे साथ मेरा निर्वाह नहीं होगा। तुम मुझे रुपया दे दिया करो, मैं अपना अलग प्रबंध कर लूँगी।"

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शब्दार्थ -

गाढी — धनी मित्रता
विधवा — जिसका पति मर चुका हो
वादा — वचन देना
कड़वाहर — वैमनस्य
अपमान — सम्मान न देना
निर्वाह — गुजारा
प्रबंध — व्यवस्था
कमाई - रुपये कमाना
तपाक — तुरंत, झट से बोलना
कठोर — सक्त होना, निर्भग
पंचायत — न्यय देने वाले पंच
निर्णय — फैसला
निर्वाह — वहन करना, गुजारा

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

जुम्मन ने कहा, "रुपये क्या यहाँ फलते हैं?"

मौसी ने कहा, "मेरे खेतों से भी तो कुछ कमाई होती होगी?"

तपाक से उत्तर देते हुए जुम्मन ने कहा, "उन खेतों से इतनी कमाई नहीं होती कि मैं तुम्हें अलग से रुपया दे सकूँ।"

तब कठोर होते हुए मौसी ने कहा, "वाह! चार-चार खेत हैं। क्या उनमें इतनी भी कमाई नहीं होती कि एक बुढ़िया का निर्वाह हो सके? अगर तुम मेरी व्यवस्था न करोगे तो मैं पंचायत बैठाऊँगी और उससे निर्णय करवाऊँगी।"

अर्थबोध- प्रस्तुत कहानी में प्रेमचंद जी ने भारत की ग्रामीण व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण परिवेश और दो दोस्तों की गहरी मित्रता का वर्णन किया है ।

अलगू चौधरी और जुम्मन शेख दो मित्र ।

जुम्मन शेख के एक बूढी विधवा मौसी

मौसी अकेली, बूढ़ी, और विधवा थी । उसके पास तीन-चार खेत थी । जिसका देख भाल वह नही कर पाती थी ।

मौसी जुम्मन के नाम सारा खेत लिखवा देती है । इसके बदले जीवनभर मौसी की देखभाल करने का वादा जुम्मन देता है ।

कुछ दिन उपरान्त जुम्मन और उसकी पत्नी का व्यवहार मौसी के प्रति बदल जाता है ।

मौसी को अच्छे से खाने के लिए न देने के कारण मौसी अपना खर्चा माँगती है ।

मौसी और जुम्मन के बिच कहासुनी होती है ।

मौसी पंचायत बैठाने की बात कहती है ।

गृहकार्य:

पढाया गया पाठ को पढो ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP